हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी, शिमला

हितधारकों हेतु कार्यशाला का आयोजन

(16.09.2016)

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी, शिमला द्वारा दिनांक 16.09.2016 को संस्थान के हितधारकों (Stakeholders') की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ० वी०पी० तिवारी, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने की । अपने उद्घाटन भाषण में डा० तिवारी ने कहा कि वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शोध व खोज की अपार सम्भावनाएं है । इस कार्यशाला के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा इस कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-काश्मीर राज्यों की वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान से सम्बन्धित प्राथमिकताओं को हितधारकों के सुझाव अनुसार तय करना है अतः इस कार्यक्रम में हितधारकों की अहम भूमिका है । उन्होंने यह भी बताया कि यह संस्थान ऐसी कार्यशाला के पश्चात हितधारकों द्वारा सुझाई गई समस्याओं/ आवश्यकताओं के आधार पर भविष्य में प्राथमिकताओं पर आधारित अनुसंधान परियोजनाएं तैयार कर उन्हें कार्यान्वित करता है, जिससे वानिकी क्षेत्र के हितधारकों को लाभ मिलता है । उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को यह भी अवगत करवाया कि ऐसी ही कार्यशाला के दौरान, जो पिछली बार संस्थान द्वारा आयोजित की गई थी, से प्राप्त सुझावों के आधार पर शीत मरूस्थन, चारागाह विकास, औषधीय पौधों इत्यादि के ऊपर परियोजनाएं तैयार की गई थी, जो परिषद् की आर०पी०सी० द्वारा भी स्वीकृत हो चुकी हैं तथा इस वर्ष से उन पर शोध कार्य आरम्भ हो चुका है । आज संस्थान परिषद् द्वारा वित्तपोषित 09 परियोजनाएं व बाह्य अनुदान प्राप्त 18 अनुसंधान परियोजनाएं कार्यान्वित कर रहा है । उन्होनें आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में इस संस्थान का कार्य मुख्यतः जम्मू तक सीमित है तथा अभी लेह-लद्दाख में वी०वी०के० में कार्य सुचारू करने हेतू बात-चीत चल रही है । इस बार संस्थान का प्रयास एक परियोजना में विभिन्न संघटकों को लेकर शोध कार्य करने का है जिसमें सेल्विक्स व जलवायु परिवर्तन पर भी कार्य किया जाना है व इन विषयों को भी सम्मिलित करना है ।

इस सम्बोधन के उपरान्त, संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान), डॉ० के०एस० कपूर ने भी इस कार्यशाला में उपस्थित सभी गणमान्य हितधारकों, अधिकारियों व कर्मचारियों का अभिनंदन किया । तत्पश्चात उन्होंने संस्थान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों से उपस्थित हितधारकों को प्रस्तुति के माध्यम से अवगत करवाया । उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह रहता है कि हितधारक वानिकी अनुसंधान से सम्बन्धित उनकी आवश्यकताएं संस्थान को बताएं ताकि संस्थान के वैज्ञानिक तदानुसार अनुसंधान कर सके । डॉ० कपूर ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रतिभागियों के मार्गदर्शन व सुझावों के अनुरूप अनुसंधान परियोजनाएं

बनाई जायेगी ओर आशा व्यक्त की कि इन परियोजनाओं के परिणाम निःसंदेह हितधारकों के हित में काफी कारगर साबित होंगे ।

इस कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन अधिकारी मुख्य-अरण्यपाल डा० गीता राम साहिबी व श्री मनोज भैक एवं वनमण्डल अधिकरी सर्वश्री प्रदीप भण्डारी एवं डी०एस० ठाकुर उपस्थित रहे । इसके अतिरिक्त प्रो० टी०एन० लखनपाल, सेवानिवृत प्राध्यापक एवं डा० वीरेन्द्र सांतवान, सहायक प्राध्यापक (समेकित हिमालयन अध्ययन संस्थान) हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला भी उपस्थित थे । इसके अतिरिक्त वानिकी क्षेत्र में कार्य कर रहे गैर सरकारी संगठनों से डॉ० लाल सिंह, डॉ० मनिन्दर जीत कौर, डॉ० बी०डी० शर्मा, डॉ० एस०के० जोशी, डॉ० आर०एस० मिन्हास, पंचायत प्रतिनिधियों में श्री ओम प्रकाश ठाकुर, बल्देव वर्मा, श्री मेला राम शर्मा तथा श्रीमती सरस्वती देवी ने भी इस कार्यशाला में बढ़-चढ़कर भाग लिया व वानिकी क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर अपने अनुभवों से संस्थान को अवगत कराया ।

उपस्थित सभी हितधारकों ने संस्थान द्वारा चलाई जा रही है अनुसंधान परियोजनओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया । नई प्रस्तावित परियोजनाओं, जो कि प्रस्तुति द्वारा प्रतिभागियों से सांझी की गई थी, पर सुझाव दिया गया कि संस्थान को दीर्घ अवधीय शोध क्षेत्रों (Long Term Research Sites) को स्थापित करते समय, सभी वन प्रकारों को सम्मिलित करना चाहिए । गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा कृषि वानिकी को यथार्थ रूप से कृषकों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया । सभा में उपस्थित ग्राम पंचायत प्रधान व प्रधान, महिला-मण्डल ने भी संस्थान द्वारा विकसित की गई तकनीकों को आमजन तक पहुंचाने हेतु आग्रह किया ताकि उन्हें इस उपयोगी अनुसंधान का लाभ प्राप्त हो सके । श्रीमति सरस्वती देवी, प्रधान महिला मण्डल, पुजारली, शिमला ने बताया कि शिमला के आस-पास के क्षेत्र में पाज़ा प्रजाति (*Prunus sp.*) के अधिकतर पौधे सूख रहे हैं व संस्थान के वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि इस प्रजाति के संरक्षण पर भी अनुसंधान करने की आवश्यकता है ।

वन विभाग से आए अधिकारियों ने इस संस्थान के कार्यों की प्रशंसा की तथा हिमाचल प्रदेश वन विभाग की ओर संस्थान को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया । उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि अनुसंधान के परिणामों को हितधारकों तक पहुंचाया जाए ताकि आम जनमानस को इनका लाभ मिल सके ।

डा० संदीप शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का, उनके सुझावों तथा महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु धन्यवाद किया ।

****

Stakeholders Workshop: Identification and Prioritization of Forestry Research Needs - Some Clippings

हि.व.अ.सं.
HFRI

MEDIA COVERAGE OF THE EVENT

वानिकी में शोध से फायदा

वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक ने बताई संभावनाएं

दिव्य हिमाचल ब्यूरो, शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान पंथाघाटी द्वारा शुक्रवार को हितधारकों की एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. वीपी तिवारी ने की। इस अवसर पर डा. तिवारी ने कहा कि वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शोध व खोज की बहुत संभावनाएं हैं। इस सभा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिमाचल व जम्मू-कश्मीर राज्यों की वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान से संबंधित आवश्यकताओं को हितधारकों के सुझाव अनुसार तय करना है, जिसमें हितधारकों की अहम भूमिका रहती है। संस्थान हितधारकों द्वारा सुझाई गई समस्याओं, आवश्यकताओं की प्राथमिकता तय करता है और भविष्य में प्राथमिकताओं पर आधारित अनुसंधान परियोजनाएं तैयार कर उन्हें कार्यान्वित करता है, जिससे हितधारकों व वानिकी क्षेत्र को लाभ होता है। डा. कपूर ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रतिभागियों के मार्गदर्शन व सुझावों के अनुरूप अनुसंधान परियोजनाएं बनाई जाएंगी। कार्यशाला में प्रदेश वन विभाग के वन अधिकारियों मनोज भैक, मुख्य अरण्यपाल, डा. गीता राम साहिबी, प्रदीप भंडारी, डीएस ठाकुर, डा. टीएन लखनपाल, डा. वीरेंद्र सांतवान, डा. लाल सिंह, डा. मनिंद्र जीत कौर, डा. बीडी शर्मा, डा. एसके जोशी, डा. आरएस मिन्हास व पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रख्यात शिक्षाविद डा. टीएन लखनपाल ने संस्थान द्वारा चलाई जा रही अनुसंधान परियोजनओं पर संतोष व्यक्त किया तथा सुझाव दिया कि संस्थान को दीर्घ अवधीय स्थायी प्लाट स्थापित करते समय सभी वन प्रकारों को सम्मिलित किया जाए। मुख्य अरण्यपाल मनोज भैक ने संस्थान के कार्यों की प्रशंसा की व वन विभाग की ओर से संस्थान को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

दिव्य हिमाचल Sat, 17 September 2016
epaper.divyahimachal.com/c/13309672

पंथाघाटी में एक दिवसीय कार्यशाला

शिमला। पंथाघाटी स्थित हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान की ओर से शुक्रवार को हितधारकों के लिए कार्यशाला लगाई गई। अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. वीपी तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शोध तथा खोज की बहुत संभावनाएं हैं। समूह समन्वयक अनुसंधान डॉ. केएस कपूर ने संस्थान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यशाला में वन विभाग के मुख्य अरण्यपाल मनोज, डॉ. गीता राम साहिबी, प्रदीप भंडारी, डीएस ठाकुर, गैर सरकारी संगठनों से डॉ. लाल सिंह, डॉ. मनिंदर जीत कौर, डॉ. बीडी शर्मा, एसके जोशी ने भाग लिया। इस दौरान उप प्रधान ग्राम पंचायत पुजारली ओम प्रकाश ठाकुर, प्रधान महिला मंडल पुजारली सरस्वती देवी मौजूद रहे।

शिमला में कार्यशाला में बोले, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक

वानिकी में खोज व अनुसंधान की अपार संभावनाएं

जिला ब्यूरो प्रमुख

शिमला, 16 सितंबर। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी, शिमला हितधारकों (स्टॉक होल्डर) की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, डॉ. वीपी तिवारी ने की। इस अवसर पर डॉ. तिवारी ने कहा कि वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शोध व खोज की बहुत संभावनाएं है। डॉ. तिवारी ने बताया कि इस सभा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर राज्यों की वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान से संबंधित आवश्यकताओं को हितधारकों के सुझाव अनुसार तय करना है जिसमें हितधारकों की अहम भूमिका रहती है। संस्थान हितधारकों द्वारा सुझाई गई समस्याओं आवश्यकताओं की प्राथमिकता तय करता है तथा भविष्य में प्राथमिकताओं पर आधारित अनुसंधान परियोजनाएं तैयार कर उन्हें कार्यान्वित करता है, जिससे हितधारकों तथा वानिकी क्षेत्र को अवश्य ही लाभ मिलता है। संस्थान के समूह समन्वयक 'अनुसंधान डॉ. केएस कपूर ने इस कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों गणमान्य व्यक्तियों व कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया और संस्थान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों से हितधारकों को प्रस्तुति के माध्यम से अवगत करवाया। कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यह रहता है कि हितधारक वानिकी अनुसंधान से सम्बन्धित उनकी आवश्यकताएं संस्थान को बताएं ताकि संस्थान के वैज्ञानिक तदानुसार अनुसंधान करें। डॉ. कपूर ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रतिभागियों के मार्गदर्शन व सुझावों के अनुरूप अनुसंधान परियोजनाएं बनाई जाएगी, जो वानिकी क्षेत्र में निसन्देह कारगर साबित होगी। इस कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन अधिकारियों मनोज भैक, मुख्य अरण्यपाल, डॉ. गीता राम साहिबी, प्रदीप भण्डारी, डीएस ठाकुर, डॉ. टीएन लखनपाल, सेवानिवृत प्राध्यापक, प्रदेश विश्वविद्यालय, डॉ. वीरेंद्र सांतवान, प्राध्यापक, हिप्र विवि, वानिकी क्षेत्र में कार्य कर रहे गैर सरकारी संगठनों से डॉ. लाल सिंह, डॉ. मनिंदर जीत कौर, डॉ. बीडी शर्मा, डॉ. एसके जोशी, डॉ. आर एस मिन्हास तथा पंचायत प्रतिनिधियों ओम प्रकाश ठाकुर, बलदेव शर्मा, मेला राम शर्मा तथा सरस्वती देवी ने इस बैठक में भाग लिया व वानिकी पर अपने अनुभवों से संस्थान का मार्गदर्शन किया। प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. टीएन लखनपाल ने संस्थान द्वारा चलाई जा रही है अनुसंधान परियोजनाओं पर संतोष व्यक्त किया तथा सुझाव दिया कि संस्थान को दीर्घ अवधीय स्थाई प्लाटों को स्थापित करते समय, सभी वन प्रकारों को सम्मिलित किए जाने का सुझाव दिया।

पंथाघाटी में कार्यशाला का आयोजन

शिमला, 16 सितम्बर (जस्टा): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान पंथाघाटी शिमला ने शुक्रवार को हितधारकों की एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. वी.पी. तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शोध व खोज की बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सभा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर राज्यों की वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान से संबंधित आवश्यकताओं को हितधारकों के सुझाव अनुसार तय करना है जिसमें हितधारकों की अहम भूमिका रहती है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 17 Septeml
epaper.punjabk